हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 13 अप्रैल 2016, लखनऊ, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 21, अंक 87, 26 पेज, मूल्य ₹ 4.00



युवा

प्रवेश सलाहकार समिति का फैसला, लखनऊ की प्रवेश परीक्षा 30 मई से

कॅरियर

आप बना सकते हैं डायग्नॉस्टिक मेडिकल सोनोग्राफी में बेहतरीन कॅरियर

एंटरटेनमेंट

प्रियंका चोपड़ा की बात विशाखा को हजम नहीं हुई, बिप्स कुछ नाराज सी हैं

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के निदेशक प्रो. भरत राज सिंह कर रहे ग्रंथ व पुराणों में दर्ज तथ्यों पर शोध

# पृथ्वी से सूर्य की दूरी बताती है रुद्राक्ष की माला

लखनऊ | रामेन्द्र प्रताप सिंह

रुद्राक्ष या तुलसी की माला में 108 मनिकाओं का विशेष महत्व है। सूर्य व चंद्रमा के व्यास में 108 का गुणा करने पर दोनों की पृथ्वी से वास्तविक दूरी का पता चलता है। इसे सिद्ध किया है स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के निदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने।

वह वैदिक विज्ञान केन्द्र के माध्यम से ग्रंथ व पुराणों में दर्ज तथ्यों पर शोध कर रहे हैं और उसके वैज्ञानिक कारण खोज रहे हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि हिन्दू धर्म में पूजा के दौरान रुद्राक्ष या तुलसी की 108 मनिकाओं वाली माला का इस्तेमाल किया जाता है। सूर्य का व्यास 13,92,684 किलोमीटर है।

प्रो. भरत राज सिंह

इसमें 108 का गुणा करने पर 150409872 किलोमीटर दूरी आती है। यह दूरी पृथ्वी से सूर्य की है, जो अब तक के रिकार्ड के मुताबिक लगभग 14,96,00,000 किलोमीटर आंकी गई है। ऐसी मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से निकले जलबिंदुओं से हुई है। रुद्राक्ष से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

**सूर्य के व्यास में 108 का गुणा करने पर निकलती है सूर्य से पृथ्वी की दूरी**

**चन्द्रमा की पृथ्वी से दूरी भी व्यास में 108 का गुणा पर निकलती है**

**मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति शिव के नेत्रों से निकले जलबिंदुओं से हुई**

## चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी भी साबित

दूसरा प्रमुख ग्रह चंद्रमा है। उसका व्यास 3,474 किलोमीटर है। इसमें 108 का गुणा करने पर दूरी 3,75,392 किलोमीटर आती है। रिकॉर्ड के मुताबिक पृथ्वी से चन्द्रमा की दूरी 3,70,300 किलोमीटर है। मान्यता है कि चन्द्रमा शीतलता व स्वास्थ्य प्रदान करता है। तुलसी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। इसीलिए सुख व शांति के लिए तुलसी की माला से जप करना लाभकारी माना जाता है। उन्होंने कहा कि सूर्य व चन्द्रमा के अलावा किसी अन्य ग्रह की दूरी की जानकारी 108 से नहीं होती। पुराणों में 108 का और भी महत्व है। हमारी आकाशगंगा में 108 मुख्य तारे हैं। इसके अलावा नौ ग्रह व 12 राशियां होती है। हर ग्रह पर राशियों को असर होता है। नौ को 12 से गुणा करने पर 108 आता है। प्रो. भरतराज सिंह ने बताया कि वेद व पुराण में दर्ज बातों का वैज्ञानिक आधार तलाशने के लिए वैदिक विज्ञान केन्द्र का गठन किया गया है। केन्द्र में कई वैज्ञानिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देश व विदेशों का भ्रमण कर साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है।

### 108 का अन्य महत्व

माला में 108 मनिकाओं का विशेष महत्व है। कुल 27 नक्षत्र होते हैं। हर नक्षत्र चार चरण का होता है। 27 को चार से गुणा करने पर 108 की संख्या आती है। हर नक्षत्र के प्रत्येक चरण पर जप का प्रावधान है।
प्रशांत तिवारी, ज्योतिषाचार्य।